

## वीर्यदान महादान-1

“मित्रो, मैं अन्तर्वासना का पुराना पाठक व लेखक हूँ,  
चूत-लण्ड के किस्से सुनकर लोगों की तरह मैं भी  
अपना मन बहला लेता हूँ। पर इस बार मेरी इच्छा  
जागृत हुई कि मुझे भी अपनी आत्मकथा आप लोगों  
को सुनानी चाहिये क्योंकि ज्ञानीजन कहते हैं कि  
खुशियाँ बांटने से बढ़ती हैं, इसी प्रकार वीर्य भी बांटने  
[...]

Story By: (vikky0099)

Posted: Monday, August 18th, 2014

Categories: [इंडियन बीवी](#)

Online version: [वीर्यदान महादान-1](#)

# वीर्यदान महादान-1

मित्रो, मैं अन्तर्वासना का पुराना पाठक व लेखक हूँ, चूत-लण्ड के किस्से सुनकर लोगों की तरह मैं भी अपना मन बहला लेता हूँ।

पर इस बार मेरी इच्छा जागृत हुई कि मुझे भी अपनी आत्मकथा आप लोगों को सुनानी चाहिये क्योंकि ज्ञानीजन कहते हैं कि खुशियाँ बांटने से बढ़ती हैं, इसी प्रकार वीर्य भी बांटने से बढ़ता ही है।

मेरा नाम विक्रम कुमार है, प्यार से मेरे मित्र मुझे विक्की भी पुकारते हैं। मेरे पिता एक सरकारी अधिकारी थे, गाँव में उनकी लम्बी चौड़ी खेती व सम्पत्ति थी जिसे चाचा सम्हालते थे, भगवान की दया से कोई कमी नहीं थी।

हम कुल दो भाई ही हैं। पिता जी ने हम दोनों की पढ़ाई-लिखाई भी अच्छे स्कूलों कराई। मेरा बड़ा भाई एम.बी.बी.एस. कर पोस्ट ग्रेज्युशन की पढ़ाई के लिये अमेरिका चला गया व फिर वहाँ उसने अपनी एक सहपाठिनी से ही शादी कर ली व वहीं बस गया।

अब हिन्दुस्तान में रह गये माँ-बाप व मैं, पिताजी नियम कायदे के पक्के थे, अपनी जिन्दगी असूलों के साथ जी रहे थे। उन्होंने अपने जीवनकाल में कभी गलत काम नहीं किया।

बचपन से ही पिताजी हमें गीता व रामायण के साथ ईमानदारी का पाठ भी पढ़ाया करते थे जिसके फलस्वरूप हम मोहल्ले की लड़कियों को अपनी बहन समझते रहे, तो फिर वही कीटाणु शरीर में पलकर बड़े हुए, जिन्होंने मुझे कभी भी क्लास में पढ़ने वाली लड़कियों को दूसरी नजर से देखने नहीं दे दिया।

वैसे मैं दिखने करने में स्मार्ट हूँ। अतः मेरे साथ पढ़ने वाली लड़कियाँ मुझ पर लाईन

मारती थीं, पर मेरा ध्यान सिर्फ पढ़ाई में ही लगा रहा, मैंने अपने मन को भटकने नहीं दिया।

मैं पढ़ाई में अच्छा था, जिसका नतीजा यह हुआ कि मैंने यूनिवर्सिटी की परीक्षा अच्छे नम्बरों से पास की, फिर उसके बाद मैंने एक प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी से एम बी ए किया, जिसकी बदौलत मुझे एक बड़ी कम्पनी में नौकरी मिल गई।

नौकरी लगाने के बाद मेरे साथ काम करने वाली लड़कियाँ मुझ जैसे लायक कुंवारे पर लाईन मारने लगी, पर फिर भी मेरी नीयत नहीं डोली क्योंकि मैंने सोच रखा था कि मैं अपने माता-पिता की मर्जी से ही शादी करूँगा, कारण बड़े भैया के विदेशी मेम से शादी करने से वे दोनों व्यथित थे। तो मैंने सोचा कि शायद मैं उनके पसंद की लड़की से शादी कर लूँगा तो उनका दर्द कुछ तो कम होगा।

अब मेरे दूर दूर के रिश्तेदार मेरे लिये संबंध ले-लेकर आने लगे। फिर कई लड़कियों में से एक शालिनी को मेरे घर वालों ने मेरे लिये पसंद कर लिया। वह इतनी सुन्दर थी कि मैं भी उसे ना नहीं कर सका।

मैंने बहुत पहले उसे देखा था, पर अब ग्रेज्युएट होने के बाद वह बहुत खूबसूरत हो चुकी थी। पूरे परिवार की रजामन्दी से हम दोनों का विवाह भी हो गया। लोग कहते थे कि हमारी जोड़ी लाखों में एक है।

मैं अपने आपको खुशनसीब समझने लगा। जब शाम को मैं ऑफिस से घर लौटता तो वह मेरा इन्तजार करती। हम बहुत घूमने फिरने जाते। कुल मिलाकर मैं एक शानदार शादीशुदा जिन्दगी जी रहा था। फिर रात ढलने पर हम लगभग प्रतीदिन चुदाई समारोह का आयोजन करते थे।

फिर लगभग दो साल बाद हमारा पहला बच्चा हुआ, तो मेरे परिवार व रिश्तेदारों ने बहुत

खुशियाँ मनाईं। बेटा पैदा करने के कारण शालिनी का समाज में बहुत मान बढ़ गया। और फिर उसके बाद मुझे लगने लगा कि उसका ध्यान धीरे धीरे मेरी ओर कम व बेटे की तरफ ज्यादा रहने लगा है, पर मैंने यह बात सहजता में ली कि चलो अभी बेटा छोटा है व यह बहुत स्वाभाविक सी बात है कि हर माँ अपने बच्चों को अधिक से अधिक समय देना चाहती है।

फिर समय बहुत तेजी से निकला व मेरी शादी के लगभग आठ साल बाद एक खूबसूरत बेटी पैदा हुई, जो मेरे बेटे से लगभग छह: साल छोटी थी। फिर इस प्रकार हमारा परिवार एक सम्पूर्ण परिवार – सुखी परिवार हो गया। हर तरफ शालिनी की इज्जत बढ़ गई और वह दोनों बच्चों को पालने-पोसने, उनकी पढ़ाई लिखाई में वह इतनी व्यस्त हो गई कि इस दौरान वह अनजाने में ही कब मुझसे दूर हो गई इसका हम दोनों को पता ही नहीं चला।

अब ऐसा लगता था कि उसकी दुनिया सिर्फ उसके बच्चों तक ही सीमित होने लगी है। शालिनी एक पत्नी की बजाय सिर्फ माँ बनकर ही रह गई। उसके इस बदलाव ने मेरा रोल भी मात्र एक पिता का ही कर दिया, पति का रोल कब खत्म हो गया इसका मुझे पता ही नहीं चला।

जब हमारी नई नई शादी हुई थी तो शालिनी अपने आप मेरी बाहों में आ जाती थी व लगभग रोज ही हम सेक्स करते थे किन्तु जैसे ही बेटा हुआ उसके बाद उसने ना-नकुर चालू कर दी। मतलब सप्ताह में एक बार से ज्यादा सेक्स नहीं करने देती व अपने उन्नत स्तनों तो भी छूने नहीं देती, कहती- अब तो ये आपके बेटे के लिये हैं, इनमें भरा दूध भी सिर्फ उसके लिये ही है।

और फिर और समय निकला व बिटिया के जन्म के बाद तो हम लोग सेक्स महीने में दो-तीन बार ही करने देती। उसके लिये भी शालिनी के हाथ पैर जोड़ने पड़ते थे, मतलब वह कभी इच्छा से तो मेरे पास आती नहीं, वरन जब भी मेरा सेक्स करने मूड बनता व मेरा

लण्ड खड़ा होता तो वह निश्चित रूप से उसके एक घण्टे बाद ही आकर लेटती थी।

उस पर भी उसके हजार नखरे रहते, कि आज तो मेरा मन नहीं है, तुम्हें तो इसके अलावा कुछ और नहीं सूझता, जल्दी से कर लो जो करना हो, चूत में बहुत जलन हो रही है, आज तो एम सी है, आज तो सफेद पानी बह रहा है, अभी बच्चों का होमवर्क कराना है, आज ब्रत है, सुबह जल्दी उठना है, आज कमजोरी लग रही है इत्यादि जैसे हजारों बहानों का उसके पास भण्डार था, जिनका उपयोग कर वह मुझे किसी ना किसी रूप से मेरे लण्ड को हतोत्साहित करती थी।

अब मैं ठहरा गबरु जवान जिसका रोज चुदाई करने का मन करता हो। उपर से पत्नी भी अनिन्द्य सुन्दरी, पर वह मेरे क्या काम की। उसके उन्नत स्तन देखकर मैं बस मन मसोस कर रह जाता क्योंकि अब वे तो सिर्फ मेरी बेटी के दूध की बोतल बन कर रह गये थे।

संतुष्टि नहीं मिलने के कारण, अब मेरा ऑफिस में भी काम में मन नहीं लगता था, अब मेरी जिन्दगी में सेक्स नहीं होने से ठीक वैसे ही लगने लगा जैसे मैं बिना नमक का खाना खा रहा हूँ। मैंने शालिनी को कई बार समझाने की भी कोशिश की, तो वह मेरे जिद करने पर वह टाँगें चौड़ी कर लेट जाती व कहती लो कर लो जो करना हो..

कई बार मजबूरी में मैंने उसकी इच्छा के विरुद्ध सेक्स किया भी, तो वह सीधे लण्ड उसकी चूत में डाला व फिर कुछ देर आगे पीछे धक्क देकर हिलाया व पानी छोड़कर निकाल लिया। वह मुझे स्तनों पर हाथ भी नहीं लगाने देती, कहती- ये तो मेरे बच्चों के लिये हैं।

अब मुझे लगने लगा शालिनी की चूत मेरे लिये मजे का इन्तजाम ना होकर उसके लिये मात्र मूत्र विसर्जन का साधन ही होकर रह गई है। यहाँ तक की उसकी चूत की गर्मी भी खत्म हो चली थी, जब मैं उसकी मुनिया में कभी कभार अपना पप्पू प्रविष्ट करता था तो ऐसा लगता था, जैसे किसी ने मेरे लण्ड के आसपास बर्फ जमा दी हो।

मेरी पत्नी पतिव्रता है और इसी प्रकार मैंने भी अपनी जिन्दगी में किसी ओर औरत की ओर आँख उठाकर नहीं देखा पर उस सबसे क्या होता है, यह सब तो सिर्फ सिद्धांत की ही बातें हैं ना, जब अपना लण्ड खड़ा हो तो पानी छोड़ने के लिये चूत की ही जरूरत होती है।

दिन पर दिन हालात बदतर होते जा रहे थे। अब तो महीने में एक आध बार से ज्यादा मेरे लण्ड की आग शांत नहीं होती थी। अब मैं बाथरूम में जाकर हस्तमैथुन करके जैसे तैसे उसे ठण्डा करने की कोशिश करने लगा।

अब मुझे रातों को भी नींद भी कम आने लगी व इसी कारण से दिन में ऑफिस में भी काम में मन नहीं लगता था। समझ में नहीं आता था कि मैं अब क्या करूँ। फिर मन में कई विचार आने लगे कि मैं अपने ऑफिस की किसी महिला को फंसा लूँ क्योंकि मैं जानता था कि सिर्फ मेरे इशारा करने की देर है, कोई भी खुद ब खुद मेरी गोद में आकर बैठ जायेगी पर बात तो खुलेगी ही व ऑफिस में मेरा जो सम्मान है वह निश्चित रूप से कम हो जायेगा।

घर पर काम वाली बाई जो खुद पटाखा थी के बारे में भी सोचा जा सकता था, पर मुझे वहाँ भी डर था कहीं शालिनी को पता चल गया तो मेरी शादीशुदा जिन्दगी तबाह हो जायेगी।

फिर मैंने सोचा कि किसी कालगर्ल का सहारा लूँ पर वहाँ भी बिमारी का डर लगता था। मैं अपने लण्ड की आग ज्यों ज्यों मैं दबाता तो फिर यह त्यों त्यों और भड़कती। मुझे कुछ भी समझ में नहीं आ रहा था कि मैं कैसे इस आग को बुझाऊँ।

इसी तरह समय गुजरता गया।

कहानी जारी रहेगी।

## Other stories you may be interested in

### बीवी की चूत चुदवाई गैर मर्द से-3

अब तक आपने पढ़ा.. डॉक्टर सचिन ने मेरी बीवी नेहा को जबरदस्त चोदा था और अब मैं नेहा की मालिश कर रहा था। अब आगे.. मेरी बीवी को डॉक्टर से चुद कर मजा आया मैंने मालिश करते हुए उससे पूछा-  
[...]

[Full Story >>>](#)

### बीवी की चूत चुदवाई गैर मर्द से-2

आज मेरी बीवी कई साल बाद मेरे सामने किसी दूसरे लंड से चुदने वाली थी। इसी को सोच कर मेरा लंड अपनी पूरी औकात में अकड़ा जा रहा था। अब आगे.. करीब आधे घंटे के बाद वो दोनों रूम में [...]

[Full Story >>>](#)

### बीवी की चूत चुदवाई गैर मर्द से-1

यह एक ऐसे पति की दास्तान है.. जो एक बार गैर मर्द से चुदने के बाद कई साल तक किसी दूसरे गैर मर्द से नहीं चुदी थी। कैसे उसके पति ने एक-दूसरे मर्द से अपनी बीवी को चुदते देखा और [...]

[Full Story >>>](#)

### ट्रेन में रात को बीवी की चूचियाँ गैर मर्द को दिखाई

दोस्तो, आपने मेरी कहानी लेख मैं अपनी बीवी को तगड़ी चालू माल बनाना चाहता हूँ पढ़ा, अपने विचार रखे, आपका धन्यवाद। अब मैं आपको अपना/अपनी बीवी का एक कारनामा बता रहा हूँ, आप कमेंट्स करके अपने विचार मुझे बताइएगा। हम [...]

[Full Story >>>](#)

### ननद भाभी की सुलगती चूतें और घरेलू नौकर

मेरा नाम नवलया है, मैं 26 साल की हूँ, गुजरात में रहती हूँ। आज आपको मैं अपनी एक हिंदी सेक्स कहानी सुनाने जा रही हूँ। इस से पहले मैंने बहुत सी हिंदी कहानियाँ अन्तर्वासना सेक्स स्टोरीज डॉट कॉम पर पढ़ी [...]

[Full Story >>>](#)



## Other sites in IPE

### Savita Bhabhi Movie



Savita Bhabhi Movie is India's first ever animated movie. It takes us on a journey thru time, a lot of super hot sex scenes and Savita Bhabhi's mission to bring down a corrupt minister planning to put internet censorship on the people.

### Suck Sex



Suck Sex is the Biggest & most complete Indian Sex Magazine for Indian Sex stories, porn videos and sex photos. You will find the real desi actions in our Indian tubes, lusty stories are for your entertainment and high resolution pictures for the near vision of the sex action. Watch out for desi girls, aunties, scandals and more and IT IS ABOLUTELY FREE!

### Kinara Lane



A sex comic made especially for mobile from makers of Savita Bhabhi!

### Tamil Kamaveri



சூடு ஏத்தும் தமிழ் செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் வெஸ்பியன் கதைகள் , தமிழ் குடும்ப செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் ஆண் ஓரின சேர்க்கை கதைகள் , தமிழ் கள்ள காதல் செக்ஸ் கதைகள் , படிக்க எங்கள் தமிழ்காமவெறி தளத்தை விசிட் செய்யவும் . மேலும் நீங்கள் உங்கள் கதைகளை பதிவு செய்யலாம் மற்றும் செக்ஸ் சந்தேகம் சம்பந்தமான செய்திகளும் படிக்கலாம்

### Meri Sex Story



मैं हूँ मस्त कामिनी... मस्त मस्त कामिनी... मेरी सेक्स स्टोरी डॉट कॉम अत्यधिक तीव्र गति से लोकप्रिय होती जा रही है, मेरी सेक्स स्टोरी साईट उत्तेजक तथा रोमांचक कहानियों का खजाना है...

### FSI Blog



Every day FSIBlog.com brings you the hottest freshly leaked MMS videos from India.